[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **1071** **H**

Unique Paper Code : 205503

Name of the Course : **B.A.(Honours) Hindi**

Name of the Paper : हिंदी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएँ

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

निर्देश : इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

खण्ड - 'क'

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7+8=15

(क) भेड़िया धसान अथवा भेड़ चाल का अर्थ सभी जानते हैं कि जब भेड़ों का समूह चलता है तो एक के पीछे एक पंक्तिबद्ध होकर चलता है और सबके आगे चलने वाली भेड़ों का अनुगमन इतनी निश्चिन्तता के साथ आँखें मींचे सिर झुकाए हुए करता है कि यदि वे कुआँ में गिर पड़ें तो यह भी सब भरभरा के गिर

P.T.O.

पड़ें। पर यह बात कहने ही सुनने भर की हैं। किसी ने कभी भेड़ों के किसी झुण्ड को कुएं में गिरते देखा न होगा। क्योंकि प्रत्येक समूह के साथ एक वा कई गड़रिए अवश्य रहते हैं जो उन्हें नष्ट मार्ग से बचाए हुए सीधे निष्कंटक पक्ष से चलाते रहे हैं और समूह के चलने के लिए रास्ता भी ऐसा ही लम्बा चौड़ा और बराबर होता है, जिसमें कुआं खाता आदि न हों।

अथवा

यह ठीक कि मनोवेग उत्पन्न होना और बात है और मनोवेग के अनुसार व्यवहार करना और बात, पर अनुसारी परिणाम के निरंतर अभाव से मनोवेगों का अभ्यास भी घटने लगता है। यदि कोई मनुष्य आवश्यकतावश कोई निष्ठुर कार्य अपने ऊपर ले ले तो पहले दो-चार बार उसे दया उत्पन्न होगी, पर जब बार-बार दया की प्रेरणा के अनुसार कोई परिणाम वह उपस्थित न कर सकेगा तब धीरे-धीरे उसका दया का अभ्यास कम होने लगेगा, यहाँ तक कि उसकी दया की वृत्ति ही मारी जाएगी।

(ख) मैं मानता हूँ, पुस्तकें भी कुछ-कुछ घुमक्कड़ी का रस प्रदान करती हैं, लेकिन जिस तरह फोटो देखकर आप हिमालय के देवदार के गहन वनों और श्वेत हिम-मुकुटित शिखरों के सौंदर्य, उनके रूप, उनकी गंध का अनुभव नहीं कर सकते, उसी तरह यात्रा-कथाओं से आपको उस बूंद से भेंट नहीं हो सकती, जो कि एक घुमक्कड़

को प्राप्त होती है। अधिक से अधिक यात्रा-पाठकों के लिए यही कहा जा सकता है कि दूसरी बातों की अपेक्षा उन्हें थोड़ा आलोक मिल जाता और साथ ही ऐसी प्रेरणा भी मिल सकती है, जो स्थायी नहीं तो कुछ दिनों के लिए तो उन्हें घुमक्कड़ बना ही सकती है। घुमक्कड़ क्यों दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विभूति है ? इसीलिए कि उसी ने आज की दुनिया को बनाया है। यदि आदिम पुरुष एक जगह नदी या तालाब के किनारे गर्म मुल्क में पड़े रहते, तो वह दुनिया को आगे नहीं ले जा सकते थे।

अथवा

पर इस सबसे न तो कुछ होना था, न हुआ। लोग महीना-भर से जानते थे कि मित्र को जाना है। इसलिए मतलब की सभी बातें पहले ही अकेले में खत्म हो चुकी थीं और सबके सामने वह सभी बातें की जा चुकी थीं, जो सबके सामने कही जाती हैं। सामान रखा ही जा चुका था, टिकट खरीदा ही जा चुका था। मालाएँ डालीं ही जा चुकी थीं। हाथ या गले या दोनों मिल ही चुके थे और गाड़ी चलने का नाम तक न लेते थी। थियेटर में जब हीरो पर वार करने के लिए विलेन खंजर तानकर तिरछा खड़ा हो जाता है, उस वक्त पर्दे की डोरी अटक जाए तो सोचिये क्या होगा ? कुछ वैसी ही हालत थी। पर्दा नहीं गिर रहा था।

P.T.O.

2. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 3×15=45

(क) 'जबान' निबंध की तात्विक समीक्षा कीजिये।

(ख) 'मजदूरी और प्रेम' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ग) 'कुटज' निबंध के केन्द्रीय विचार का विश्लेषण कीजिये।

(घ) 'भक्तिन' पाठ के आधार पर भक्तिन का चरित्र-चित्रण कीजिये।

(च) 'भोलाराम का जीव' पाठ में लेखक ने सरकारी तंत्र और कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर करारा व्यंग्य किया है' - स्पष्ट कीजिये।

खण्ड - 'ख'

3. (क) डॉ राजेन्द्र प्रसाद की आत्मकथा के आधार पर उनके (राजेन्द्र प्रसाद) जेल के प्रथम अनुभव का वर्णन कीजिये। 10

अथवा

'सर्चलाईट' के संपादक के रूप में राजेन्द्र प्रसाद की भूमिका पर विचार कीजिये।

(ख) 'जूठन' शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिये। 5

अथवा

बच्चन ने कवि सम्मेलनों के सम्बन्ध में क्या कहा है ? 'बच्चन' की आत्मकथा के आधार पर उत्तर दीजिये।

अथवा

'अपनी खबर' में उग्र जी ने अपने जन्म और नामकरण के सम्बन्ध में क्या कहा है ?